अध्याय 10

लोकोक्तियाँ

लोकोक्ति या कहावत के पीछे कोई कहानी होती है। इससे निकली बात लोगों की वाणी का अंग बन **लोकोक्ति** कहलाने लगती है। लोकोक्ति या कहावत सम्पूर्ण तथा स्वतन्त्र वाक्य होते हैं। इसमें एक प्रकार का प्रवाह होता है। वार्तालाप में इनके प्रयोग से श्रुतिमधुर वाक्यों का सृजन होता है, साथ ही प्रयुक्त लोकोक्तियों का व्यावहारिक रूप भी सामने आता है। मुहावरे की तरह लोकोक्ति का अर्थ भी लाक्षणिक होता है। मुहावरे और लोकोक्ति में मुख्य अन्तर यह है कि मुहावरा एक पदबन्ध, वाक्यांश या वाक्यखण्ड होता है, जबकि लोकोक्ति एक स्वतन्त्र वाक्य है। प्रयोग की दृष्टि से भी मुहावरे और लोकोक्ति में अन्तर है। मुहावरा किसी वाक्य में समा जाता है तथा उक्त वाक्य में चमत्कार, विशालता ला देता है जबकि लोकोक्ति किसी वाक्य के समर्थन या खण्डन के लिए प्रयुक्त की जाती है।

महत्त्वपूर्ण लोकोक्तियाँ

कहावत या लोकोक्ति	सामान्य अर्थ
• अधजल गगरी छलकत जाए	ओछा आदमी थोड़ा गुण होने पर अहंकारी हो जाता है।
• अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत	नुकसान हो जाने के बाद पछताना बेकार।
• आँख का अन्धा नाम नयनसुख	नाम के विपरीत गुण होना।
• आम के आम गुठलियों के दाम	दोहरा लाभ।
• ऊँची दुकान फीके पकवान	केवल बाहरी दिखावा।
• का वर्षा जब कृषि सुखाने	अवसर निकल जाने पर सहायता व्यर्थ।
• खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे	शर्म के मारे क्रोध करना।
• बिल्ली के भाग से छींका टूटा	जैसा चाहा, वैसा हुआ।
• नाच न जाने आँगन टेढ़ा	अपनी असफलता का दोष दूसरे पर डालना।
• अन्त भला तो सब भला	परिणाम अच्छा हो तो कार्य सफल होता है।
• अँधेर नगरी चौपट राजा	मुखिया मूर्ख हो तो परिवार में कलह बनी रहती है।
• अन्धे के हाथ बटेर	अनायास इच्छित वस्तु का मिलना।
• आसमान से गिरा खजूर में अटका	काम पूरा होते-होते रह जाना।
• आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास	उच्च लक्ष्य के लिए निकलना और घटिया काम में लग जाना।
• इधर कुआँ, उधर खाई	हर ओर मुसीबत।
• उलटे बाँस बरेली को	विपरीत कार्य करना।
• ऊँट के मुँह में जीरा	बहुत थोड़ा।
• एक करेला दूसरे नीम चढ़ा	एक के साथ दूसरा दोष।
• एक चोरी दूसरे सीना-जोरी	अपराध कर उलटे रौब दिखाना।

कहावत या लोकोक्ति	सामान्य अर्थ
• करत करत अभ्यास के जड़मंति होत सुजान	प्रयत्न से सफलता मिलती है।
• काठ की हाण्डी एक बार ही चढ़ती है	बेईमानी एक बार ही चलती है।
• खोदा पहाड़ निकली चुहिया	परिश्रम की तुलना में बहुत कम परिणाम।
• घर का भेदी लंका ढहाए	आपसी फूट से कमजोरी आती है।
• घर की मुर्गी दाल बराबर	सहजता से प्राप्त वस्तु का आदर नहीं होता।
• चोर की दाढ़ी में तिनका	दोषी हमेशा चौकन्ना रहता है।
• जिसकी लाठी उसकी भैंस	ताकतवर की जीत होती है।
• न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी	न कारण होगा, न कार्य होगा।
• रस्सी जल गई पर ऐंठन न गई	पतन के बाद भी घमण्ड का होना।
• हाथ कंगन को आरसी क्या	जो प्रत्यक्ष है, उसके लिए प्रमाण क्या।
• नीम हकीम खतरे जान	अयोग्य व्यक्ति से हानि होती है।
• दस की लाठी एक का बोझ	सहयोग से काम आसान होता है।
• मुख में राम बगल में छुरी	कपटी आदमी।
• एकहि साधे सब सधे, सब साधे सब जाए	एकाग्रता से कार्य होता है।
• मन चंगा तो कठौती में गंगा	मन की पवित्रता ही सबसे बड़ा पुण्य है।
• होनहार बिरवान के होत चीकने पात	होनहार के लक्षण शुरू में ही पता चल जाते हैं।
• साँप भी मरा लाठी भी न टूटी	बिना किसी नुकसान के काम बनना।

✓ अभ्यास के लिए प्रश्न

1. 'ऊँट के मुँह में जीरा' का सही अर्थ है
(a) बहुत थोड़ा
(b) ऊँट के मुँह में पीड़ा होना
(c) ऊँट को जीरा खिलाना
(d) पेट भरने के लिए कुछ भी खाना

2. 'चोर की दाढ़ी में तिनका' का अर्थ है
(a) बुरा हाल होना
(b) पराजित होने पर भी हार नहीं मानना
(c) धोखेबाज
(d) दोषी हमेशा चौकन्ना रहता है

3. 'एक पन्थ दो काज' का सही अर्थ है
(a) अनेक कार्य करना
(b) क्या करें, क्या न करें, सोचना
(c) एक साथ दो लाभ होना
(d) एक साथ दो पद ग्रहण करना

4. 'दाल-भात में मूसलचन्द' का सही अर्थ है
(a) बुरा हाल होना
(b) पराजित होना
(c) बेकार दखल देना
(d) भोजन के पीछे मरना

5. 'तन पर नहीं लत्ता पान खाए अलबत्ता' का अर्थ है
(a) बुरी आदत में पड़ना
(b) झूठा दिखावा करना
(c) रौब डालना
(d) बहुत गरीब होना

6. 'धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का' लोकोक्ति का सही अर्थ है
(a) धीरे-धीरे जाना
(b) कहीं भी ठिकाना न होना
(c) बहुत मार खाना
(d) बहुत भार उठाना

7. 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता' का अर्थ है
(a) अकेला व्यक्ति बेकार होता है
(b) अकेला व्यक्ति लड़ नहीं सकता
(c) अकेले कोई बड़ा काम करना सम्भव नहीं
(d) चने से भाड़ नहीं फूटता

8. 'आधा तीतर आधा बटेर' का अर्थ है
(a) मूर्खतापूर्ण कार्य (b) मनचाहा कार्य
(c) बेमेल बेढंगा होना (d) गड़बड़ होना

9. 'एक अनार सौ बीमार' का अर्थ है
(a) एक वस्तु के कम चाहने वाले
(b) एक वस्तु के अनेक चाहने वाले
(c) माँग कम पूर्ति अधिक
(d) अनार का बँटवारा

10. 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' का अर्थ है
(a) श्रम अधिक, फल न्यून
(b) पहाड़ों पर भी चूहे पाए जाते हैं
(c) बड़ों के साथ छोटे का वास
(d) पहाड़ खोदना कठिन है

11. 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' का अर्थ है
(a) दुर्बल की सम्पत्ति
(b) शक्तिशाली का बोलबाला होता है
(c) भैंस लाठी से ही नियन्त्रित होती है
(d) भैंस लाठी से मार खाती है

12. 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा' का अर्थ है
(a) अपनी अयोग्यता छिपाने के लिए दूसरे पर दोष मढ़ना
(b) अहंकार दिखाना
(c) नाचने की अयोग्यता
(d) आँगन टेढ़ा बनाकर रखना

13. 'मुँह में राम बगल में छुरी' लोकोक्ति का अर्थ है
(a) ऊपरी मित्रता मन में शत्रुता
(b) ईश्वर के नाम पर छल करना
(c) चालाकी करना
(d) राम का नाम पापी भी ले सकता है

14. 'सब धान बाइस पंसेरी' लोकोक्ति का सामान्य अर्थ है
(a) सभी वस्तुओं को समान समझना
(b) सभी वस्तुओं का समान मूल्य
(c) सब वस्तुओं को एक जगह रखना
(d) मन में खोट होना

15. 'अधजल गगरी छलकत जाए' लोकोक्ति का सामान्य अर्थ है
(a) सँभल कर चलना
(b) कायदे से कार्य करना
(c) अल्पज्ञ द्वारा गर्व करना
(d) अहंकार करना

16. 'एक तो करेला दूसरे नीम चढ़ा' का अर्थ है
(a) बुरे स्वभाव का होना
(b) कुटिल की संगति में और कुटिल होना
(c) परिवार का प्रभाव
(d) मूर्ख का साथ अनिष्टकारी

17. 'घाट-घाट का पानी पीना' का सामान्य अर्थ है
(a) मारा-मारा फिरना (b) भिक्षाटन करना
(c) तीर्थ यात्रा करना (d) अनुभवी होना

18. 'फिसल पड़े तो हर-हर गंगे' का अर्थ है
(a) बिना इच्छा के गंगा स्नान करना
(b) मजबूरी में काम करना
(c) फिसल जाना
(d) विपत्ति के समय ईश्वर को स्मरण करना

✓ विगत वर्षों के प्रश्न

निर्देश (प्र. सं. 19-23) *दी गई लोकोक्तियों के अर्थ बताने के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक के लिए उपयुक्त अर्थ वाला विकल्प चुनिए।*

19. न सावन सूखे न भादो हरे।
[SSC कांस्टेबल, 2015]
(a) सुख-दुःख का भेद न जानना
(b) सदैव प्रसन्न रहना
(c) सदैव एक-सी मानसिक स्थिति में रहना
(d) सदैव दुःखी रहना

20. जैसी करनी वैसी भरनी
[SSC कांस्टेबल, 2013]
(a) कर्म के अनुसार फल प्राप्त होता है
(b) कुछ भी प्राप्त नहीं होता
(c) निरन्तर प्रयत्न करना
(d) अनुभवहीन इस संसार को सुखद मानते हैं

21. दूर के ढोल सुहावने होते हैं।
[SSC कांस्टेबल, 2013]
(a) सहायता प्रदान करना
(b) दूर से साधारण वस्तु भी अच्छी लगती है
(c) जीवन की कटुता का अनुभव होना
(d) संसार आकर्षक लगता है।

22. आम के आम गुठलियों के दाम
[SSC कांस्टेबल, 2011]
(a) आम और गुठलियाँ खरीदना
(b) जिसमें सब लाभ ही लाभ हो
(c) आम खरीदकर गुठलियों को बेचना
(d) जिसमें सब हानि ही हानि हो

23. आटे दाल का भाव मालूम होना
[SSC कांस्टेबल, 2011]
(a) खाने की वस्तुओं का मूल्य ज्ञात होना
(b) संसार का व्यावहारिक ज्ञान होना
(c) पिता की आय पर गुलछर्रे उड़ाना
(d) खाना बनाना आना

उत्तरमाला

1.	(a)	2.	(d)	3.	(c)	4.	(c)	5.	(b)	6.	(b)	7.	(c)	8.	(c)	9.	(b)	10.	(a)
11.	(b)	12.	(a)	13.	(a)	14.	(a)	15.	(c)	16.	(b)	17.	(d)	18.	(b)	19.	(c)	20.	(a)
21.	(b)	22.	(b)	23.	(b)														